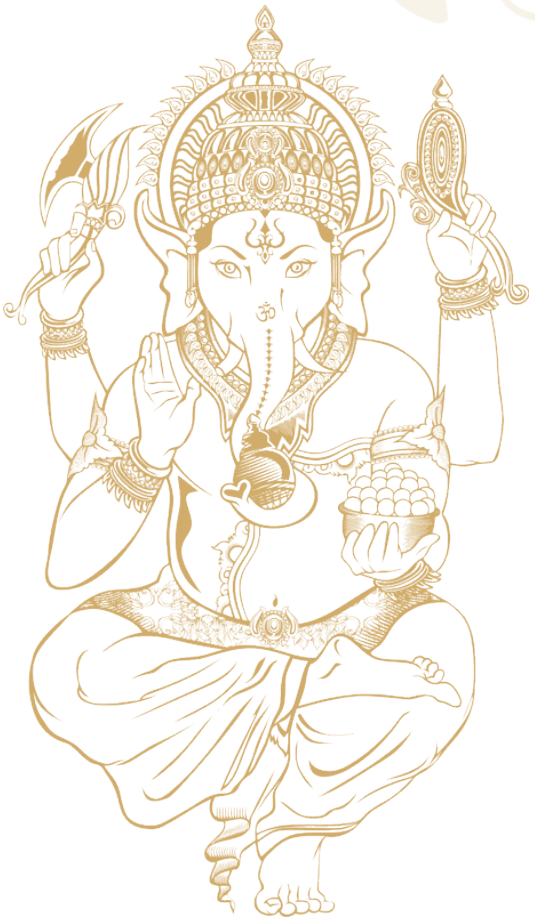

Mr.

TANYA NAYYAR

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121629108

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/11/1991	जन्म तिथि	06/10/1995
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 00:30:00	जन्म समय	19:58:00 घंटे
घटी 43:51:44	जन्म समय(घटी)	34:07:11 घटी
India	देश	India
Chandigarh	स्थान	Trivandrum
30:43:00 उत्तर	अक्षांश	08:30:00 उत्तर
76:47:00 पूर्व	रेखांश	76:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:22:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:18	सूर्योदय	06:10:22
17:21:47	सूर्यास्त	18:10:34
23:44:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 2वर्ष 0मा 10दि	15:31:21	सिंह	लग्न	मेष	19:49:57	गुरु 11वर्ष 5मा 17दि
बुध	09:15:31	वृश्चि	सूर्य	कन्या	19:03:50	शनि
05/12/2012	01:38:38	कर्क	चंद्र	कुंभ	23:46:44	25/03/2007
05/12/2029	03:54:34	वृश्चि	मंगल	तुला	26:06:59	25/03/2026
बुध 03/05/2015	29:47:54	वृश्चि	बुध व	कन्या	15:47:25	शनि 28/03/2010
केतु 30/04/2016	18:58:53	सिंह	गुरु	वृश्चि	17:32:59	बुध 05/12/2012
शुक्र 01/03/2019	24:14:19	कन्या	शुक्र	तुला	01:34:06	केतु 14/01/2014
सूर्य 05/01/2020	08:35:16	मक	शनि व	कुंभ	25:54:58	शुक्र 15/03/2017
चन्द्र 05/06/2021	16:34:57	धनु	राहु व	तुला	02:42:18	सूर्य 25/02/2018
मंगल 03/06/2022	16:34:57	मिथु	केतु व	मेष	02:42:18	चन्द्र 27/09/2019
राहु 20/12/2024	17:54:18	धनु	हर्ष	मक	02:43:34	मंगल 05/11/2020
गुरु 28/03/2027	21:12:33	धनु	नेप	धनु	28:58:30	राहु 12/09/2023
शनि 05/12/2029	27:03:01	तुला	प्लूटो	वृश्चि	04:57:17	गुरु 25/03/2026

लग्न-चलित

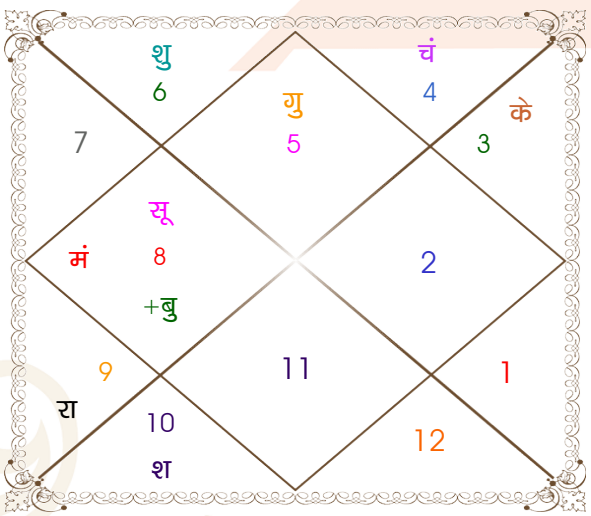

लग्न-चलित

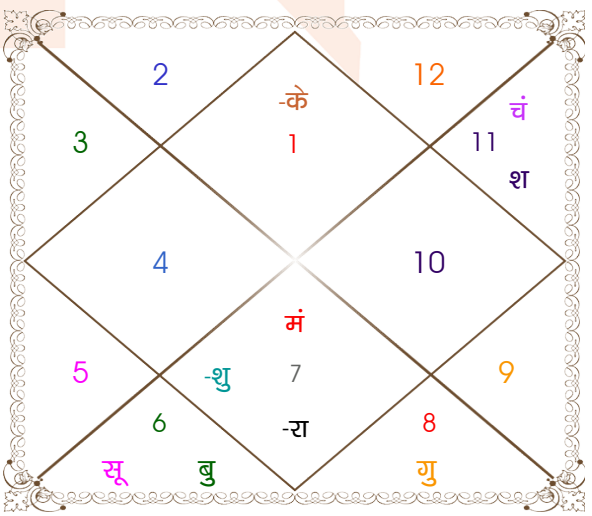

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मेष है तथा ज।छल। छ।ल्ल।त का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और ज।छल। छ।ल्ल।त का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज।छल। छ।ल्ल।त मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ज।छल। छ।ल्ल।त कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज।छल। छ।ल्ल।त कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा ज।छल। छ।ल्ल।त में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।